

1.1 अपनी रिपोर्ट समझें: प्रकार, स्टेज, ग्रेड और बायोमार्कर

CelluReva™ • Reset → Revive → Reprogram → Restore

यह कैंसर उपचार के साथ शिक्षा है। कैंसर ठीक करने या पलटने की गारंटी नहीं। व्यक्तिगत उपचार और आपात योजना अपनाएँ। सहायक द्वारा तैयार संस्करण; स्वतंत्र मातृभाषी चिकित्सकीय समीक्षा बाकी है। अंग्रेज़ी पाठ 2,500+ शब्दों के हैं; हिंदी और ओड़िया मुख्य विषयों के संक्षिप्त संस्करण हैं।

- निदान और बाकी जानकारी पहचानें
- स्टेज, ग्रेड और बायोमार्कर का अंतर समझें
- निदान कार्ड और तीन सवाल बनाएँ

अपना निदान समझें

1. उक्तक निदान

2. स्टेज और ग्रेड

3. बायोमार्कर और योजना

शिक्षा के लिए चित्र; अपनी उपचार योजना अपनाएँ। देखभाल का क्रम और समय अलग हो सकता है।

यहाँ से शुरुआत करें: रिपोर्ट जानकारी है, आपकी पहचान नहीं

कैंसर शब्द सुनने के बाद बाकी बातें याद रखना कठिन हो सकता है। डर, गुस्सा, सुन्नपन या रोना स्वाभाविक प्रतिक्रियाएँ हैं। हमेशा प्रसन्न रहने से ही उपचार काम करेगा, ऐसा नहीं है। रोगी को अच्छे उपचार के लिए अपनी भावनाएँ छिपाने की आवश्यकता नहीं। पहला छोटा काम है: बीमारी का सही नाम और उसे समझाने वाले डॉक्टर का नाम लिख लेना।

कैंसर कई अलग बीमारियों का समूह है। इसमें असामान्य कोशिकाएँ बढ़कर शरीर को नुकसान पहुँचा सकती हैं। जीन में बदलाव और आसपास के ऊतकों सहित कई जैविक प्रक्रियाएँ इसमें भूमिका निभाती हैं। यह गलत सोच, इच्छा-शक्ति की कमी या किसी व्यक्ति की नैतिक भूल का प्रमाण नहीं है। सामान्यतः छूने, साथ बैठने या भोजन साझा करने से कैंसर नहीं फैलता। कुछ संक्रमण कुछ कैंसर का जोखिम बढ़ाते हैं, पर इससे रोगी के साथ सामान्य संपर्क खतरनाक नहीं हो जाता।

सही नाम क्यों आवश्यक है

पूछें: कैंसर किस अंग से शुरू हुआ और किस प्रकार की कोशिकाओं का है? स्तन से शुरू होकर हड्डी में पहुँचा कैंसर सामान्यतः फैला हुआ स्तन कैंसर कहलाता है; उसे नया प्राथमिक हड्डी कैंसर मानकर उपचार नहीं किया जाता। रक्त, मस्तिष्क और बच्चों के कैंसर की वर्गीकरण पद्धति अलग हो सकती है। दो लोगों की बीमारी का नाम कैंसर होने पर भी उनकी दवा और निगरानी अलग हो सकती है।

स्कैन में गाँठ दिखना या रक्त जाँच असामान्य आना अकेले पूरी जानकारी नहीं देता। अनेक कैंसर में बायोप्सी, यानी ऊतक का छोटा नमूना लेकर पैथोलॉजिस्ट से जाँच कराना, पुष्टि और बीमारी की विशेषताएँ समझने में मदद करता है। कुछ रक्त कैंसर में रक्त या बोन मैरो की जाँच आवश्यक होती है। डॉक्टर से पूछें: निदान किस परिणाम से पक्का हुआ? क्या अभी कोई जाँच बाकी है जो उपचार बदल सकती है?

पैथोलॉजी रिपोर्ट पढ़ना

सबसे पहले नाम, पहचान संख्या, नमूने की तारीख, अंग और अंतिम निदान देखें। कार्सिनोमा, साकोमा, लिम्फोमा, ल्यूकेमिया जैसे शब्द अलग रोग-समूह बताते हैं। इनवेसिव, इन सिटू, डिफरेंशिएशन या लिम्फोवैस्कुलर इनवेज़न जैसे शब्दों का अर्थ पूरे संदर्भ में समझें। इंटरनेट पर एक शब्द देखकर निष्कर्ष न निकालें।

मार्जिन ऑपरेशन में निकाले गए ऊतक का किनारा है। पॉजिटिव या इनवॉल्व्ड मार्जिन में जाँचे गए किनारे तक कैंसर कोशिकाएँ दिखती हैं। क्लियर या नेगेटिव मार्जिन में वहाँ नहीं दिखतीं। आगे की सर्जरी, रेडिएशन या अन्य उपचार के निर्णय में यह उपयोगी जानकारी है। क्लियर मार्जिन का अर्थ अपने-आप यह नहीं कि अब किसी उपचार की जरूरत नहीं होगी। अंतिम रिपोर्ट की प्रति रखें।

स्टेज और ग्रेड अलग हैं

स्टेज बताती है कि बीमारी कितनी फैली है। कई ठोस कैंसर में TNM का प्रयोग होता है: T मूल ट्यूमर, N आसपास की लिम्फ नोड और M दूर तक फैलाव से संबंधित है। स्टेज I से IV जैसे समूह हो सकते हैं। हर कैंसर यही प्रणाली नहीं अपनाता। अलग कैंसर की समान स्टेज संख्या का सीधा मुकाबला न करें।

ग्रेड बताता है कि माइक्रोस्कोप में कोशिकाएँ कितनी असामान्य दिखती हैं; इससे व्यवहार का अनुमान मिल सकता है। हाई ग्रेड का अर्थ अपने-आप स्टेज IV नहीं है। छोटा ट्यूमर भी हाई ग्रेड हो सकता है। अपनी रिपोर्ट पर डॉक्टर से दोनों बातें अलग समझें।

बायोमार्कर और जीन जाँच

बायोमार्कर प्रोटीन या जीन बदलाव जैसी विशेषता है जो उपचार चुनने में सहायक हो सकती है। कुछ स्तन कैंसर में हार्मोन रिसेप्टर और HER2 देखे जाते हैं। अन्य कैंसर में दूसरी जाँच उपयोगी हो सकती है। हर व्यक्ति को सबसे बड़ा महंगा जीन पैनल कराना आवश्यक नहीं। पूछें: इस परिणाम से कौन-सा उपचार निर्णय बदलेगा?

ट्यूमर में हुए जीन बदलाव की जाँच और जन्म से मिले वंशानुगत जोखिम की जाँच अलग हैं। ट्यूमर की रिपोर्ट में बदलाव होने से बच्चों या भाई-बहनों में वही बदलाव होना निश्चित नहीं। कम उम्र, पारिवारिक इतिहास या रिपोर्ट से संदेह होने पर जेनेटिक काउंसलिंग के बारे में पूछें। खर्च, सीमाएँ, परिवार पर असर और गोपनीयता समझें।

रक्त का ट्यूमर मार्कर बढ़ना अकेले कैंसर बढ़ने का प्रमाण नहीं। कुछ गैर-कैंसर स्थितियों में भी यह बढ़ सकता है। कुछ कैंसर में उपयोगी मार्कर होता ही नहीं। डॉक्टर लक्षण, जाँच, स्कैन और समय के साथ बदलाव साथ देखकर निर्णय लेते हैं। विज्ञापन देखकर बार-बार जाँच न कराएँ।

भविष्य के बारे में बात

प्रोग्नोसिस बीमारी के संभावित व्यवहार का अनुमान है। सर्वाइवल आँकड़े पुराने समय के बड़े समूहों के अनुभव बताते हैं, किसी व्यक्ति की निश्चित अंतिम तारीख नहीं। स्वास्थ्य, कैंसर की विशेषताएँ और उपचार का असर महत्वपूर्ण हैं। पूछें: अभी क्या पता है, क्या अनिश्चित है, और कब दोबारा समीक्षा होगी?

CelluReva का उपयोग

इस कोर्स में Reset, Revive, Reprogram और Restore सीखने की व्यवस्था है। ये ऑपरेशन, कैंसर की दवा, रेडिएशन या फॉलो-अप की जगह नहीं लेते। दैनिक कार्य, पोषण और मनोबल की सहायता करना कैंसर ठीक करने का दावा नहीं है। रोगी को बीमारी के लिए दोष देना गलत है।

उदाहरण और अभ्यास

एक महिला हाई ग्रेड शब्द पढ़कर समझती है कि कैंसर पूरे शरीर में फैल गया। बेटी तीन सवाल लिखती है: स्टेज क्या है? कौन-सी रिसेप्टर जाँच बाकी है? उपचार का लक्ष्य क्या है? डॉक्टर समझाते हैं कि ग्रेड और स्टेज अलग हैं। अनुमान की जगह परिवार को योजना मिलती है।

अपना निदान कार्ड बनाएँ: सही नाम, शुरू होने का अंग, पुष्टि की जाँच और तारीख, स्टेज या जोखिम समूह, संबंधित ग्रेड, बायोमार्कर, बाकी जाँच, डॉक्टर और अगली मुलाकात। अज्ञात स्थान खाली छोड़ें। रिपोर्ट सुरक्षित रखें; निजी जानकारी सार्वजनिक समूह में डालने से पहले सोचें। परिवार को अपने शब्दों में स्टेज और ग्रेड का अंतर समझाएँ और तीन प्रश्न लिखें। गंभीर नया लक्षण हो तो रिपोर्ट समझने की प्रतीक्षा किए बिना चिकित्सा सहायता लें।

अपनी समझ जाँचें

कैंसर का प्रकार किससे स्पष्ट होता है?

1. पैथोलॉजी और उपचार टीम का मूल्यांकन
2. सोशल मीडिया वीडियो
3. केवल एक लक्षण

पैथोलॉजी और उपचार टीम का मूल्यांकन

सही कदम: पैथोलॉजी और उपचार टीम का मूल्यांकन। अपनी स्थिति के अनुसार योजना के लिए उपचार टीम से बात करें।

Sources

<https://www.cancer.gov/about-cancer/diagnosis-staging/diagnosis>

<https://www.cancer.gov/about-cancer/diagnosis-staging/staging>

<https://www.cancer.gov/about-cancer/treatment/types/biomarker-testing-cancer-treatment>